तापमान
अधिकतम 26 .0 डिग्री
न्यूनतम 10 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

11 सिंचाई के प्रयोग के लिए बनने वाले नाले का...

11 जीरो वेस्ट जीवनशैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

खबर संक्षेप

आटो सवार ने चुराए बुजुर्ग के जेवरात

जींद। गांव पडाना निवासी एक बुजुर्ग महिला के आटो में सवार दो युवकों ने जेवरात चोरी कर लिए। सिविल लाइन थाना पुलिस ने अज्ञात दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव पडाना निवासी 68 वर्षीय महिला रामकौर ने कहा कि वह बीमार थी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से पति की मौत, पत्नी घायल

कैथल। गांव चौशाला में ट्रैक्टर ट्राली ड्राइवर ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में 47 वर्षीय व्यक्ति बलविंद्र की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। इस घटना के बाद आस-पास के लोगों ने दोनों को कैथल के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। वहां पर डॉक्टरों ने व्यक्ति को मृत करार दे दिया। वहीं उसकी पत्नी का इलाज शुरू करवाया गया।

दो अवैध पिस्तौल के साथ युवक गिरफ्तार

जींद। एवीटी स्टाफ की टीम आपरेशन ट्रैकडाउन के तहत एक युवक को दो अवैध पिस्तौल और चार कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से असलहा व वारदात के बारे में पूछताछ कर रही है। एवीटी स्टाफ इंचार्ज उप निरीक्षक कमल सिंह ने बताया कि रविवार शाम को उनकी टीम नरवाना से कैथल रोड पर बस अड्डा हथो के पास गश्त कर रही थी।

पेट्रोल पंप कर्मचारी से की मारपीट, केस दर्ज

कैथल। सीवन थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप पोलड पर कार्यरत कर्मचारी के साथ मारपीट करने के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रवीण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह भगवान देवी पेट्रोल पंप पोलर पर कार्यरत है। 9 नवंबर को दो युवा पेट्रोल भरवाने के लिए आए तथा पैसे देने के नाम पर उस पर लाठी और डंडों से मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया।

अवैध असलहा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

जींद। ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने गांव मखंड के निकट एक व्यक्ति को अवैध पिस्तौल सहित काबू किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। डिटेक्टिव स्टाफ जींद के इचार्ज उप निरीक्षक चंद्रपाल ने बताया कि उनकी एक टीम ऑपरेशन ट्रैकडाइन के तहत हेड कांस्टेबल रमेश कुमार के नेतृत्व में सरकारी गाड़ी सहित गश्त पर थी।

घर से आभूषण व नकदी चोरी का आरोपित दबोचा

कैथल। सीवन में घर से आभूषण व नकदी चोरी करने के मामले की जांच थाना सीवन पुलिस के एचसी जरनैल सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी सीवन निवासी अमित उर्फ मित्तु को गिरफ्तार कर लिया। बता दें की सीवन निवासी मुस्कान की शिकायत अनुसार 2 अक्टूबर को उसके घर से अज्ञात व्यक्ति नकदी व बच्चे के चांदी आभूषण चोरी करके ले गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती लापता, केस दर्ज

जींद। सदर थाना क्षेत्र से युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में गायब होने पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। सदर थाना क्षेत्र के व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत आठ नवंबर को उसकी 18 वर्षीय बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। आसपास तथा रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन कोई सुराग नही लगा।

घर में सेंधमारी करने वाले दो आरोपी दबोचे

कैथल। थाना सदर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाँव जगदीशपुरा में रात के समय घर में सेंधमारी कर जेवर व नकदी चोरी करने के मामले में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा 2 आरोपियों को काबू कर लिया। व्यापक पूछताछ के मद्देनजर उन्हें अदालत में पेश कर एक दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है।

यूपी-बिहार से आने वाले धान को रोकने के लिए नाकों पर बढ़ाई जांच

हरिभूमि में प्रकाशित समाचार से जागा प्रशासन ▶▶ एसडीएम ने की नाकों की जांच व राइस मिल का किया भौतिक निरीक्षण

हरिभूमि इम्पेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

बख्शेंगे नहीं....

हरिभूमि में 10 नवंबर के अंक में राइस मिलर आढती सरकार को लगा रहे चूना। लंबी तान का सोए विभाग के अधिकारी, कैथल पहुंच रहा यूपी बिहार का धान। निसिंग से वापिस किए सैकडों वाहन शीर्षक से प्रकाशित समाचार पर जिला प्रशासन हकरत में आया। इस पर जिला प्रशासन की ओर से कैथल के एसडीएम अजय सिंह ने सोमवार को जहां नाकों का निरीक्षण किया तो वहीं राइस मिल का निरीक्षण भी किया। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस द्वारा लगाए गए नाकों पर तैनात कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम अजय सिंह ने सबसे पहले कौल, रसीना और राजौंद क्षेत्र में लगाए गए नाकों (चेकपोस्टों) का सघन दौरा किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश दिए कि जिले की सीमा में बाहर से धान किसी भी सूरत में प्रवेश न करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल जिले के किसानों का धान ही निर्धारित मानदंडों के अनुसार ख़रीदा जाएगा। बाहरी धान की आवक को पूरी तरह से रोक है।

अनियमितता मिलने पर कार्रवाई

इसके बाद वे ढांड स्थित एक राइस मिल में पहुंचे, जहां उन्होंने भौतिक सत्यापन शुरू करवाया। इस सत्यापन का उद्देश्य यह जांचना था कि मिल में सरकारी खरीद मानदंडों और भंडारण नियमों का ठीक से पालन हो रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान, एसडीएम ने स्टॉक रजिस्टर, खरीद रिकॉर्ड और मिल परिसर का गहन मुआयना किया। उन्होंने मिल मालिकों को हिदायत दी कि वे नियमों का पालन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

डाहौला में पीडब्लूडी द्वारा सड़क निर्माण के लिए डाली मिट्टी में दिखाई देती धंसी गाड़ी।

सड़क पर डाली मिट्टी ने लिया दलदल का रूप

लोगों ने जिला प्रशासन प्रति जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अलेवा

डाहौला में पीडब्लूडी द्वारा सड़क बनाने के लिए डाली मिट्टी एक दलदल का रूप ले चुकी है। जिसके चलते राहगीरों तथा वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसके कारण कालोनी के लोगों में जिला प्रशासन के प्रति रोष है। गांव डाहौला निवासी कृष्ण, दर्शन, प्रेम, संदीप, राजेश, शिवकुमार आदि ने बताया कि पीडब्लूडी द्वारा गांव के जलघर से लेकर शामदों रोड़ तक सड़क का निर्माण कार्य जारी है लेकिन विभाग ने सड़क बनाने के लिए मिटटी डाली हुई है। जिसके कारण कालोनी का समस्त गंदा पानी नालों के अभाव के चलते सड़क पर पहुंच कर एक दलदल का रूप ले चुका है। यह दलदल रूपी सड़क वाहन चालकों व कालोनी के लोगों के लिए आफ त बनी हुई है। इस सड़क पर गंदा पानी खड़ा होने के कारण लोगों को दुपहिया वाहनों के साथ गुजरना तो दूर की बात पैदल चलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में जाने का मुख्य रास्ता होने के कारण स्कूली अध्यापकों के अलावा बच्चों तथा बाहर से आने वाले लोगों को अपने स्थान तक पहुंचने के लिए गांव के दूसरे छोर से गुजरना पड़ रहा है।

नहीं मान रहे लोग

पीडब्लूडी विभाग के जेई बिट्टू ने बताया कि विभाग सड़क बनाने के लिए बार-बार गांव में जा रहा है, लेकिन कालोनी के लोग पानी कम करने का नाम नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण कालोनी का पूरा का पूरा पानी सड़क पर आ रहा है और मिट्टी एक दलदल का रूप ले रही है। पानी कम करवा के मंगलवार को नाले के साथ निर्माण करवाया जाएगा ताकि सड़क पर सुचारू से काम चल सके। अगर पंचायत नाले बनाए तो गांव के लोगों की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा।

दो बहनों समेत तीन मिली डेंगू पॉजिटिव, जिले का आंकड़ा 81 पहुंचा

बढ़ते डेंगू-चिकनगुनिया के मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

शहर में चलाया जागरूकता अभियान, बुखार पीड़ितों के लिए सैंपल

मौसम मच्छरों के पनपने लिए पूरी तरह से अनुकूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक करते टीम। *फोटो :हरिभूमि*

शहर में डेंगू व चिकनगुनिया के लगातार बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। अबतक डेंगू के 81 मामले स्वास्थ्य विभाग को मिल चुके हैं। जबकि चिकनगुनिया के 12 व मलेरिया के भी तीन मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य की टीमों द्वारा शहर की दर्जनभर कालोनियों में जागरूकता अभियान चलाया गया। सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली के मार्गदर्शन मे चलाए गए जागरूकता अभियान में 21 बुखार से पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए गए हैं। जिले में सबसे ज्यादा वर्ष 2015 में 668 डेंगू के मामले सामने आए थे। उसके बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान से साल दर साल डेंगू का प्रकोप कम होता चला गया। डेंगू का मच्छर साफ पानी पर पनपता है। यह मौसम मच्छरों के पनपने लिए पूरी तरह से अनुकूल है। स्वास्थ्य विभाग को वर्ष 2016 में 156, 2017 में 135, 2018 में 98, 2019 में 47, 2020 में 28, तथा 2021 में 622, वर्ष 2022 में 535, वर्ष 2023 में 420, वर्ष 2024 में दस तथा वर्ष 2025 में अबतक 78 मामले मिल चुके हैं।

अभियान को तेज करने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग को लगातार डेंगू पॉजिटिव रिपोर्ट मिल रही है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग को दो बहनों सहित तीन की डेंगू पॉजिटिव रिपोर्ट मिली है। इससे जिले में डेंगू संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 81 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार निडानी गांव की रहने वाली आठ वर्षीय और 16 वर्षीय दो बहनें तथा बहादुरगढ़ की एक बुजुर्ग महिला डेंगू पॉजिटिव पाई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते प्रकोप को देखते जागरूकता अभियानों को तेज करने के निर्देश जारी किए हैं।

डेंगू व मलेरिया की जांच मुफ्त

डेंगू व मलेरिया के नोडल अधिकारी डा. बिजेंद्र ढांडा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग डेंगू व मलेरिया की जांच मुफ्त करता है। विभाग की 250 से अधिक टीमें फील्ड में हैं जो लगातार फीवर मास सर्वे कर रही हैं। लोगों को लगातार मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक किया जा रहा है। जहां भी लार्वा मिला है, वहां मौके पर ही नष्ट किया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीमें बुखार पीड़ितों की लगातार स्लाइडें बना रही हैं। आमजन को चाहिए कि वो स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

ये रहे मौजूद

यदि सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार, उल्टियां लगने, गर्मी लगने, बुखार एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन आने, उल्टी दस्त होने, शरीर में कमजोरी आने पर मरीज को तुरंत अपने आसपास के स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पास ले जाकर खून की जाँच करवाने के उपरांत ही उपचार लेना चाहिए। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने बीमारियों से बचाव की जानकारी दी। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां दूषित पानी से होने वाली डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतू पानी साफ करने वाली क्लोरीन की गोलियां तथा ओआरएस व जिंक की गोलियां भी वितरित की और पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। अभियान में स्वास्थ्यकर्मी विनोद, अमरजीत, गुरनाम, दिनेश, देवेंद्र, ओमप्रकाश, नीलम, रानी, राधा रानी, सूरजमुखी, सीता, मंजू रानी, मुकेश, अश्मीना, दर्शना, आरती, उर्मिला, राजरानी, पूनम, रानी, सोनिया, संविता आदि शामिल रहे।

बचाव के बताए जा रहे उपाय

स्वास्थ्य टीमों द्वारा जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्यकर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति यदि थोड़ी सी सावधानी करके अपने घर तथा आसपास की सफाई करते हुए गड्ढों, खाली पड़े टायरों व गमलों आदि में गंदा पानी खड़ा न होने दें, पानी के बर्तनों को ढक कर रखे, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करे, सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तनों तथा हौदी को सुखा कर ही भरे तो डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया के अलावा डायरिया, हैजा व पीलिया जैसी भयानक बीमारी से लोगों को बचाया जा सकता है।

अभियान जारी

स्वास्थ्य विभाग की टीमें कर रही आमजन को जागरूक जागरूकता अभियान का निरिक्षण करने के उपरांत जिला स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारियों के जागरूकता अभियान का परिणाम है कि पिछले वर्षों के मध्यनजर इस वर्ष अभी तक जिला में डेंगू के कम मामले सामने आए हैं। जहां-जहां सीवरेज तथा पीने के पानी की लिकेज एवं गड्ढों में पानी एकत्रित मिलता है, उसको ठीक करने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग तथा नगर परिषद के अधिकारियों को करवाया जा रहा है ताकि लोगों को स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध रहे और बीमारियो को फैलने से रोका जा सके।

कैथल। एसपी उपासना को सम्मानित करते ग्रामीण। *फोटो :हरिभूमि*

ठगी के आरोपी से की 100 प्रतिशत रिकवरी

कैथल। जिले में सीआईए-1 टीम ने अपनी कार्यकुशलता और त्वरित कार्रवाई से पुलिस की साख को और मजबूत किया है। गांव भागल में हुई ठगी और मोबाइल स्नैचिंग के मामले में टीम ने न केवल आरोपी को काबू किया, बल्कि शिकायतकर्ता के खाते से ठगे गए एक लाख रुपये और मोबाइल फोन की 100 प्रतिशत रिकवरी कर पुलिस की ईमानदार छवि का उदाहरण पेश किया। इस उपलब्धि पर सोमवार को गांव भागल के ग्रामीणों और मौजीज लोगों ने एसपी उपासना तथा सीआईए-1 टीम को सम्मानित कर आभार जताया। गांव भागल निवासी दवेंद्र वर्मा पुत्र राजपाल वर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 19 अक्तूबर 2025 की शाम करीब साढ़े छह बजे एक युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर उनकी दुकान पर आया और खुद को फोटोग्राफर बताते दुकान की फोटो लेने का बहाना किया। युवक ने फोटो खींचने के बहाने उनका मोबाइल फोन मांगा। कुछ देर तक वह दुकान में फोटो खींचने का नाटक करता रहा और फिर बाहर निकलकर मोबाइल लेकर फरार हो गया।

पुलिस की होटल में छापेमारी तीन महिला सहित पांच काबू

होटल मालिक के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

पुलिस ने सोमवार शाम के समय अनैतिक कार्य की सूचना के बाद करनाल रोड पर एक निजी होटल में दबिश दी। इस दौरान पुलिस को तीन महिलाएं और दो युवक संदिग्ध अवस्था में मिले। इन्हें पुलिस थाने में ले गई। वहीं होटल के मालिक को भी हिरासत में लिया। पुलिस ने होटल मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले में डीएसपी बीरभान ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि करनाल रोड स्थित एक होटल में अनैतिक कार्यय करने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम का गठन किया गया। इसमें महिला पुलिस कर्मचारी भी शामिल थी। दबिश दौरान होटल के अंदर बने कैबिन में तीन महिलाएं और दो युवक मिले। उन्होंने बताया कि महिलाएं पूंडरी में किराए के मकान में रहती हैं और होटल में गलत काम के लिए आती हैं। आरोपी होटल मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रात 10 बजे के बाद नहीं बजेगा डीजेः उपायुक्त

कैथल। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने और नागरिकों को रात में शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से डीसी प्रीति ने मैरिज पैलेस, बारात घर और सामुदायिक केंद्रों में रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही डीसी ने एक कमेटी का भी गठन किया है, जो विभिन्न मैरिज पैलेस, बारात घर एवं सामुदायिक केंद्रों का निरीक्षण करेगी। डीसी प्रीति ने जारी आदेशों में कहा कि संज्ञान में आया है कि जिले में बिना संबंधित विभागों की जैसे कि जिला योजनाकार, अग्निशमन, सेल्स टैक्स, पुलिस राजस्व विभाग एवं संबंधित नप /नपा की अनुमति प्राप्त किए काफी मैरिज पैलेस, बारात घर एवं सामुदायिक केंद्र चलाए जा रहे हैं।

जेल में कैदी ने बाथरूम में फंदा लगाकर दी जान

हत्या के मामले में तीन साल से जेल में बंद था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला जेल में एक 25 वर्षीय कैदी ने बाथरूम की खिड़की पर फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। कैदी हत्या के मामले में पिछले 3 साल से जेल में बंद था। सोमवार को वह बाथरूम में नहाने के बहाने गया था। उस समय किसी को नहीं पता था कि वह क्या करने के लिए जा रहा है। जब काफी देर तक बाथरुम से बाहर नहीं आया, तो उसके साथ रहने वाले कैदियों ने उसको ढूंढना शुरू किया। काफी देर के बाद उसका शव बाथरूम में खिड़की पर लटका मिला। उसने अंगोछे से खुद को फंदा लगाया हुआ था। मामले की सूचना कैदियों ने तुरंत जेल प्रबंधन को दी और जेल प्रबंधन ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। मृतक की पहचान गांव पीडल के रहने वाले बलविंद्र कुमार के रूप में हुई है। अस्पताल में पहुंचे जांच अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही तुरंत कैदी के शव को फंदे से उतार कर नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया।

आईटीआई अध्यापक की हत्या के आरोपी गिरफ्तार

जींद। गांव खरकबूरा में गत छह नवंबर को शामली (उत्तर प्रदेश) में आईटीआई अध्यापक की पुरानी रंजिश के चलते पीट कर हत्या करने के आरोपितों को सीआईए स्टाफ नरवाना व थाना उचाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान गांव खरकबूरा निवासी अजय उर्फ रूसी व सुनील के रूप में हुई है। उचाना थाना के प्रभारी उप निरीक्षक दिलबाग सिंह ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि गत छह नवंबर को खरकबूरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर ओमप्रकाश की हत्या कर दी गई है। जिस पर मृतक के लड़के अभिषेक के बयान पर आरोपितयों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। वारदात को अंजाम दे हत्यारे फरार हो गए थे।

नई बिल्डिंग में प्रथम तल पर बनाया ओपीजी एक्सरे के लिए कैबिन

नागरिक अस्पताल में ओपीजी एक्सरे की सुविधा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल के डेंटल विभाग द्वारा ओपीजी एक्सरे की सुविधा शुरू कर दी गई है। अभी तक अस्पताल में केवल आरवीजी एक्सरे की ही सुविधा थी। इससे एक्सरे से जबड़ों का पूरा एक्सरे नहीं हो पाता था और उन्हें एक्सरे के लिए बाहर का रास्ता दिखाया जाता था।

क्योंकि यह एक छोटा डिजिटल प्रिंट ही होता है। वहीं अब ओपीजी एक्सरे में पूरे जबड़े का एक साथ एक्सरे हो जाता है। यह ज्यादा स्टीक और विश्वसनीय होता है। प्रतिदिन पांच से छह लोगों के एक्सरे यहां किए जा रहे हैं और नई बिल्डिंग में प्रथम तल पर अलग से केबिन बना सुविधा शुरू कर दी गई है। नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन डेंटल की ओपीडी में 300 से अधिक मरीज आते हैं। यहां वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा. रमेश पांचाल, डा. दिनेश, डा. पोरस, डा. पूनम मान व एक अन्य डेंटल ओपीडी करते हैं। ओपीडी में कई बार चिकित्सक दंतक सर्जरी के लिए एक्सरे करवाते हैं। नागरिक अस्पताल में केवल आरवीजी एक्सरे की ही सुविधा थी। इस कारण पूरे जबड़े का एक्सरे नहीं हो पाता था ओर मरीज को बाहर का रास्ता दिखाया जाता था। पूरे जबड़े के एक्सरे के लिए ओपीजी एक्सरे की जरूरत थी। इसके अलावा कई दांतों की कुछ और भी बीमारियां हैं, जो केवल ओपीजी एक्सरे के माध्यम से ही पता चल सकती हैं। ऐसे में अस्पताल में ओपीजी एक्सरे की सुविधा नहीं होने से मरीज परेशान होते थे। अब अस्पताल में यह सुविधा शुरू कर दी गई है।

आरवीजी एक्सरे से इमेज क्लीयर

आरवीजी एक्सरे से दांतों की डिजिटल एक्सरे इमेज लेने की एक आधुनिक तकनीक है। जो पारंपरिक फिल्म आधारित एक्सरे का एक डिजिटल विकल्प है। यह डिजिटल इमेज कैप्चर करती है और यह दांतों की कैविटी, संक्रमण, जड़ों की स्थिति और हड्डी के स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का स्टीक निदान करने में दंत चिकित्सकों की मदद करती है। ओपीजी (ऑर्थोपैंटोमोग्राम) यह एक प्रकार का एक्सरे है, जो पूरे जबड़े, ऊपरी और निचले दोनों का एक पैनोरमिक चित्र देता है। यह दंत चिकित्सक को सभी दांतों, उनकी स्थिति, वृद्धि और जबड़े की हड्डी व टेम्पोरो मैंडिबुलर जोड़ की जांच करने में मदद करता है।

एक्सरे लिए जा रहे

नागरिक अस्पताल के दंत चिकित्सक डा. पोरस ने बताया कि ओपीजी एक्सरे मशीन को इंस्टॉल कर दिया है। इसके लिए अलग से केबिन बनाया गया है। जहा मरीजों के एक्सरे लिए जा रहे हैं।

विशेष: बाल दिवस, 14 नवंबर

बच्चा है तो वह मासूम, भोला-भाला होगा ही, बड़ी स्वाभाविक सी बात है। लेकिन इस नए दौर में बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे हैं, उनकी बाल सुलभ सहजता लुप्त हो रही है, इसके कुछ नकारात्मक परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर पड़ रहे हैं। जरूरी है अभिभावक इन्हें जानें-समझें और बच्चे की मासूमियत खोने ना दें, उनका नैसर्गिक विकास हो।

बच्चों की खोती मासूमियत कैसे सहेजें हम

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चे, अब बच्चों जैसे नहीं रहे। बालमन की मासूमियत गुम हो रही है। अब तो बच्चों के खेल-खिलौने ही बदल गए हैं। कैसी भाषा बोलने लगे हैं, आजकल के बच्चे? अब तो घर के छुटके सदस्य किसी की सुनते ही नहीं। ऐसी बातें घर-घर का किस्सा हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चों के अभिभावक, चिंतित भी हैं और चकित भी। कभी आने वाले कल से जुड़े भय के चलते तो कभी आज की उलझनों के कारण, बच्चों के बदलते बर्ताव की चर्चा हर ओर हो रही है।

समझना होगा बच्चों के मन का हाल

वक्त के साथ लाइफस्टाइल से लेकर तकनीक के इस्तेमाल तक, हर चीज में बदलाव आएगा ही। इन बदलावों संग ही सकारात्मक परवरिश की राह निकालनी होगी। अभिभावक को बच्चों के मन का हाल समझना होगा। उनके व्यवहार पर गौर करते हुए सोच की बदलती दिशा की थाह लेनी होगी। समय के साथ सधी कदमताल ही बचपन की मासूमियत सहेज सकती है। साथ ही नई पीढ़ी को अपडेट रखने के लिए भी एक संतुलित रास्ता चुनना आवश्यक है। बच्चों के लिए तो सब कुछ नया-सा होता है। स्कूल जाने पर सीखने-पढ़ने की नई खिड़की खुलती है। आस-पड़ोस का मेलजोल, घर के बाहर लोगों के व्यवहार से जुड़े अच्छे-बुरे तौर-तरीकों से मिलवाता है। ऐसे में बच्चे कभी कुछ जान-बूझकर सीखते हैं तो कभी अनजाने ही किसी के बर्ताव को दोहराने लगते हैं। बावजूद इसके बच्चों को अपने परिवेश से दूर नहीं रखा जा सकता। खेलकूद या मेलजोल पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में अभिभावक को ठहराव के साथ उनका हाथ थामना होगा। समय के साथ आ रहे बदलावों के प्रति 'सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय' का भाव शुरुआती पड़ाव पर ही उनके मन में भरना होगा। ध्यान रहे कि हर परिस्थिति को लेकर शिकायत करना इंसान को सीमाओं में बांधता है। इसीलिए मौजूदा दौर में अभिभावक को एक बैलेंस बनाना होगा। जीवन की डगर पर बच्चों का हाथ थामकर एक सधी कदमताल करनी होगी। बालमन को नकारात्मकता से बचाने के लिए समझाइश देनी होगी। बच्चों के मन में सकारात्मक बातों-बर्ताव को अपनाने वाली खुली सोच को पोसना होगा।

सकारात्मक जुड़ाव ही है हल

संपर्क में आने वाले लोग हों या इस्तेमाल की जा रही सुविधाएं। बच्चे, सही या गलत का फर्क नहीं कर सकते। उनका मासूम मन लाभ या हानि का गणित नहीं समझता। हालिया वर्षों में तकनीक द्वारा बालमन का दिशाहीन होना एक बड़ी चिंता बन गया है। अभिभावक बच्चों को टेक्निकल गैजेट्स का सही इस्तेमाल करना सिखाएं। साथ ही खुद भी स्क्रीन के संसार में खोने के बजाय इस मामले में अनुशासन बरतें। स्पेन की यूनिवर्सिटी नेब्रिजा में हुए एक अध्ययन के मुताबिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए नुकसानदेह और फायदेमंद दोनों साबित हो सकता है। यह अध्ययन कहता है कि स्क्रीन के बहुत अधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों का फोकस कम होता है। बच्चों के भाषा सीखने और भावनात्मक विकास में बाधा आ सकती है। नेब्रिजा यूनिवर्सिटी का यह अध्ययन बताता है कि अगर स्क्रीन का उपयोग, एजुकेशनल कंटेंट और परिवार के साथ इंटरैक्शन के लिए किया जाए तो बच्चों के दिमागी विकास, ध्यान और भाषा में सुधार कर सकता है। यही बात खेल, सामाजिक मेल-मिलाप, खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी दूसरी आदतों पर भी लागू होती है। बच्चे जो भी करें, उस फील्ड से जुड़े लोगों से ही नहीं, उस एक्टिविटी से भी एक पॉजिटिव कनेक्ट रखना सिखाएं।

सभी की भूमिका अहम

क्या सिर्फ बच्चे ही बदले हैं? अनुशासनहीनता और आक्रोश ने केवल बालमन को ही नहीं घेरा है, घर में बड़ों की बात सुनने-समझने में कोताही करने वाले केवल बच्चे ही तो नहीं? ऐसे बहुत से सवालों को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से सोचना होगा। इन बातों-हालातों पर गहराई से सोचे बिना बच्चों की मासूमियत को नहीं सहेजा जा सकता। बच्चों के बचपन का गुम होना, बड़ों के बदलते जीवन पर भी प्रश्न उठाता है। बालमन का भ्रमित होना बड़ों की प्राथमिकताओं से उनके गायब हो जाने की भी बानगी है। घर से छुटके सदस्यों का चुप्पी चुन लेना, बड़ों से संवाद कम होने का भी नतीजा है। कहीं काम-काजी आपा-धापी में फंसे पैरेंट्स कुछ कहने से पहले ही बच्चों को जज कर रहे हैं तो कहीं मम्मी-पापा के रिश्ते में आते अलगाव की आंच मासूम मन को झुलसा रही है। अनगिनत सुविधाओं से घिरे बच्चे अकेले से लगते हैं। मशीनों के साथ पलते बच्चे मन के मोर्चे पर उदासी के घेरे में हैं। स्कूलों में दूसरी एक्टिविटीज के बोझ तले दबे टीचर्स, बच्चों से जुड़ाव नहीं बना पा रहे। आस-पड़ोस के दरवाजे ही नहीं, मन से जुड़ने के रास्ते भी बंद हैं। बदलावों के नाम पर बनी इस अजब-गजब दुनिया में बच्चे खोए से खड़े हैं। ऐसे में उनका साथ देने की जिम्मेदारी पैरेंट्स, टीचर्स और नेबर्स सभी की है। कहा जाता है कि 'इट टेक्स अ विलेज टू रेज अ चाइल्ड' यानी परिवार ही नहीं, पूरा परिवेश चाहिए होता है एक बच्चे को बड़ा करने के लिए। स्कूल, खेल का मैदान, ट्यूशन सेंटर या घर-आंगन, बचपन को सहेजने के लिए परवरिश की साझी जिम्मेदारी हर जगह मौजूद लोगों को

ज्यादा लाड़-प्यार से बिगड़ता है बच्चों का बर्ताव

सभी पैरेंट्स अपने बच्चों को खूब दुलार करते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करना चाहते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार बच्चों के बर्ताव को बिगाड़ सकता है, इसलिए सजग रहना जरूरी है।

रखें ध्यान

चैतन्या

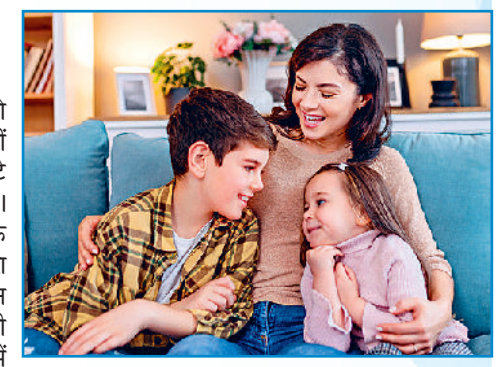

अधिकतर पैरेंट्स अपने बच्चों को प्यार करने में कोई कमी नहीं रखना चाहते। घर के छोटे सदस्यों के प्रति यह लाड़-प्यार जरूरी भी है। प्यार-दुलार का यही व्यवहार दो पीढ़ियों के जुड़ाव को मजबूत करता है, लेकिन नेह भरा यह बर्ताव उस समय परेशानी का कारण बन जाता है, जब बच्चों की हर बात मान लेना ही प्यार जताना समझ लिया जाए। हर मामले में बच्चों के कहे मुताबिक पैरेंट्स, खुद को ढालने-बदलने लगें। समझना जरूरी है कि हद से ज्यादा लाड़-प्यार पाने के इन हालातों में बच्चे, अपने से बड़े पारिवारिक सदस्यों की बात सुनने-मानने की प्रवृत्ति भी खोने लगते हैं। इसीलिए बच्चों की परवरिश में लाड़-प्यार की भी एक सीमा आवश्यक है। शुरू से ही ऐसा ना किया जाए तो बच्चे बहुत-सी मानसिक और व्यावहारिक समस्याओं के घेरे में आने लगते हैं।

मूड स्विंग्स का शिकार: हद से ज्यादा प्यार मिलने से बालमन इमोशनल रेग्युलेशन नहीं सीख पाता। ऐसे बच्चे, अपनी इच्छाओं और भावनाओं के आगे पैरेंट्स के किसी तर्क या समझाइश को नहीं मानते हैं। पैरेंट्स का हद से ज्यादा प्यार पाने वाले बच्चों में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही उन्हें दिशाहीन करने लगते हैं। ऐसे में बड़ों का भी समय रहते चेत जाना जरूरी है। मन-मुताबिक सब करने-चाहने की आदत बन जाने के बाद उनके मूड स्विंग्स को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। बात-बात पर बच्चों की बदलती मनःस्थिति, पैरेंट्स को सजग करने वाला पक्ष है। इस बर्ताव से उनको समझना चाहिए कि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ही लाड़-प्यार मिल रहा है। समझाइश को मानने और मन की करने-करवाने से दूर होते बच्चों के पैरेंट्स को संतुलित परवरिश की राह चुननी चाहिए। इसीलिए शुरुआती कदम पर ही याद रखें कि लाड़-प्यार की अति, बच्चों को मूड स्विंग्स का शिकार बनाने वाली होती है।

टीम वर्क से दूरी : पैरेंट्स द्वारा मन-मुताबिक सब कुछ करने देने की छूट पाने वाले बच्चे, टीम वर्क नहीं कर पाते। पढ़ाई हो या सामाजिक-पारिवारिक गतिविधि, कोई प्रेशर नहीं सह पाते। हमारे परिवारों में आमतौर पर बच्चों से दुलार करने का मतलब उन्हें गलत व्यवहार से ना टोकना, बुरी भाषा बोलने से ना रोकना और जिद्दी बर्ताव करने पर सख्ती ना करने से लिया जाता है। बच्चों के हर तरह के नकारात्मक व्यवहार की यह सहज स्वीकार्यता उन्हें और आक्रामक बना देती है। समझना मुश्किल नहीं कि घर हो या स्कूल, यह आक्रामकता उनमें मिलजुल कर काम करने की सोच नहीं आने देती है। साथ ही किसी बच्चे का यह बर्ताव देख, दूसरे बच्चे भी उससे दूरी बनाने लगते हैं। पैरेंट्स के सामने की जाने वाली जिद के समान ही बच्चे घर से बाहर भी मिल-जुलकर कोई एक्टिविटी करने के बजाय अपनी बात मनवाने पर अड़ने का रुख अपनाते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को रचनाशीलता से दूर करती है। क्लास हो या खेल का मैदान, साझी गतिविधियों में अपनी ही जिद मनवाने की मानसिकता के चलते बच्चे ना तो क्रिएटिव बन पाते हैं और ना ही कुछ नया सीखने में रुचि लेते हैं।

अशिष्ट और स्वार्थी बर्ताव: लाड़-प्यार की अति से जुड़ी समस्याओं का खामियाजा बच्चों के पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। पैरेंट्स की हद से ज्यादा उदारता से हर बात में बहस करना, बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है। इससे उनका व्यक्तित्व ही नहीं आने वाला जीवन भी प्रभावित होता है। शुरू से ही 'न' सुनने की आदत ना डाली जाए तो एक समय के बाद माता-पिता भी बच्चों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाते। बच्चों को सही दिशा नहीं दिखा पाते। इसीलिए बच्चों के प्रति स्नेहपूरित दुलार के साथ एक सधापन शुरू से ही अपनाएं। a

---

हालांकि अब ज्यादातर घरों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों से कहानी सुनने में रुचि नहीं लेते। जबकि कहानियां बच्चों का मनोरंजन करती हैं, उनका ज्ञान बढ़ाती हैं, उन्हें अच्छे गुणों से संस्कारित करती हैं। बच्चों को कहानी सुनाने के फायदों के बारे में जानिए।

मनोरंजन के साथ सिखाती भी हैं कहानियां

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

कहानियां, मोबाइल और टीवी के आगमन से पहले बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाने का एक सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। रात को सोने से पहले अपनी दादी-नानी से कहानी सुनना लगभग हर बच्चे के लिए जरूरी काम हुआ करता था। इसका वे बहुत बेसब्री से इंतजार किया करते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक का विकास होता गया, वैसे-वैसे किस्से-कहानियों की सुनाया जाना कम होता गया। आज इस सबका स्थान मोबाइल फोन ने ले लिया है। बच्चे से लेकर बड़े सभी डिजिटल दुनिया में खोए नजर आते हैं, जिससे न केवल उनकी आंखें, शरीर और मानसिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। बच्चों की क्रियाशीलता और रचनात्मक क्षमता खत्म होती जा रही है। बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें किस्से-कहानियों से परिचित कराना बहुत जरूरी है।

रचनात्मक प्रतिभा का विकास: बच्चे जब किसी भी कहानी को सुनते हैं तो वे मानसिक रूप से उसमें डूब से जाते हैं। उन्हें लगता है कि मानो अमुक घटना बिल्कुल उनके सामने ही घटित हो रही है। यही नहीं कई बार वे स्वयं को ही उस घटना का पात्र भी समझने लगते हैं। सुनते समय वे कहानी के आगे आने वाले घटनाक्रम की कल्पना करने लगते हैं, इससे उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती है, साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास भी होता है। यही रचनाशीलता आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और उनकी शिक्षा में भी परिलक्षित होती है।

वोकैबलरी होती है मजबूत: कहानी सुनते समय बच्चे अनेक नए शब्दों से परिचित होते हैं। वे शब्द उनके अवचेतन मन में समा जाते हैं, जिनका अकसर बच्चे अपनी बातचीत में प्रयोग करते दिखते हैं। कहानियों से न केवल बच्चों में शब्द ज्ञान यानी वोकैबलरी बढ़ती है, वे वाक्यों को बनाना और यथोचित स्थान पर उनका प्रयोग करना भी सीखते हैं।

बनते हैं अच्छे श्रोता: चूंकि कहानी सुनने के दौरान बच्चा बोलता कम और सुनता अधिक है, इससे उसमें बचपन से ही अच्छे श्रोता के गुणों का विकास होने लगता है, जो भविष्य में उसके व्यक्तित्व विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

जीवन मूल्यों का विकास: जब भी हम बच्चों को कोई कहानी सुनाते हैं तो उन कहानियों के पात्रों के माध्यम से उनमें जीवन मूल्यों का विकास होता है। हम सही, गलत, सच और झूठ जैसे भावों से परिचित कराते हैं, जो उम्र भर उनका साथ देते हैं।

इतिहास-संस्कृति का ज्ञान: बच्चों के पास आजकल अपना एकेडमिक कोर्स ही इतना अधिक होता है कि उनके पास अलग से कुछ भी पढ़ने का समय ही नहीं होता परंतु कहानियों के माध्यम से आप उन्हें अपनी संस्कृति और इतिहास से रूबरू करा सकते हैं, इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अध्ययन में मददगार: कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक तो होती ही हैं, वे उनके अध्ययन में भी बहुत मददगार होती हैं। बचपन में सुनी गईं कहानियों से बच्चे की कल्पनाशीलता बढ़ती है।

ज्ञान में वृद्धि: कहानियों के विषय चूंकि मानव, पशु-पक्षी, जीव-जंतुओं आदि से सबंधित होते हैं, सो कहानी सुनते समय बच्चे इनसे परिचित हो जाते हैं, जिससे उनके विविध विषयों के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है, बच्चों में विषयों को जानने की जिज्ञासा भी बढ़ती है। a

(मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चों की ड्राय स्किन ऐसे बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

एडवाइस

ललिता गोयल

सर्दी के मौसम में बच्चों की स्किन काफी ड्राय होने लगती है। ऐसे में उनकी स्किन को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। बदलते मौसम में बच्चों की स्किन की अगर सही देखभाल न की जाए, तो वो ड्राई और रफ होने लगती है। मौसम में बदलाव के कारण बच्चों के होंठ फटने लगते हैं, स्किन में ईचिंग होने लगती है। ऐसे में यहां बताए जा रहे उपायों पर गौर करना होगा।

मॉयश्चराइजर लगाएं: बच्चे को नहलाने के बाद उसकी स्किन को अच्छी तरह से पोंछने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं। सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

गुनगुने पानी का यूज करें: कभी भी बच्चे को ज्यादा गर्म पानी से न नहलाएं। इससे बच्चे की स्किन का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

हीटर की गर्मी से करें बचाव: अकसर लोग सर्दी के मौसम में ठंड से राहत दिलाने के लिए अपने बच्चे को नहलाकर हीटर के आगे बैठा देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए।

हाइड्रेशन का ध्यान रखें: बच्चे को ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से बचाने के लिए उसे डिहाइड्रेट न होने दें। उसे पर्याप्त मात्रा में पानी और लिक्विड डाइट देती रहें।

ऑयल मसाज करें: नन्हे बच्चों की स्किन से ड्राईनेस को मिटाने के लिए, थोड़े-थोड़े समय के अंतर पर तेल से मालिश जरूर करें। इससे आपके बच्चे की स्किन से रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही, बच्चे की हेल्थ भी अच्छी बनी रहेगी।

माइल्ड साबुन का करें इस्तेमाल: केमिकल्स बेस्ड साबुन का इस्तेमाल करने से बच्चों की स्किन हार्श और ड्राई हो सकती है। इसलिए बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं और हल्का बेबी सोप या माइल्ड क्लींजर इस्तेमाल करें। नहलाते वक्त बच्चे की त्वचा पर सिर्फ एक बार ही साबुन लगाएं। बार-बार बच्चों की त्वचा पर साबुन रगड़ने से स्किन से नमी खत्म हो सकती है। नहलाने के बाद बच्चों की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बेबी लोशन या एलोवेरा जैल भी लगाएं।

सनस्क्रीन लगाएं: ज्यादातर पैरेंट्स अकसर यह गलती करते हैं कि वो धूप में बाहर ले जाते वक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। धूप से सुरक्षा के लिए बच्चों की त्वचा पर सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चे की स्किन पर ड्रायनेस नहीं आती है। a

(बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन

डॉ. अशोक झिंगन

चेयरमैन-डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबिटीज अब बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड डायबिटीज-डे (14 नवंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं बच्चों में डायबिटीज होने के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में।

बच्चों को भी हो सकता है डायबिटीज

डब्ल्यूएचओ ने भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' का दर्जा दिया है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है, जिसमें शरीर के पैंक्रियाज ग्लैंड में बनने वाला इंसुलिन हार्मोन या तो पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता या उसका असर कम हो जाता है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर 'ग्लूकोज' को अवशोषित कर रक्त के जरिए शरीर के विभिन्न कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जिससे सभी सेल्स सुचारू रूप से काम करते हैं और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रक्रिया सामान्य रूप से नहीं चल पाती, तो रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। शुगर का बढ़ा हुआ स्तर लंबे समय तक बने रहने से व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

टाइप-1 डायबिटीज: यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे वायरल फीवर के बाद संक्रमण, खाने-पीने की चीजों में मौजूद टॉक्सिन या केमिकल, मौसम परिवर्तन, प्रदूषण आदि। इनमें से किसी भी कारण से पैंक्रियाज ग्लैंड की बीटा सेल्स के खिलाफ एंटीबॉडी बनने लगती हैं, जिससे इंसुलिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है या बंद हो जाती है। बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना प्रत्येक भोजन के बाद इंसुलिन लेना आवश्यक हो जाता है। अगर सही समय पर उचित उपचार मिले तो टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चे भी लंबी उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीज: यह फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत खान-पान, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री के कारण होती है। इसमें शरीर में इंसुलिन कम बनता है या शरीर उसे सही तरह उपयोग नहीं कर पाता। इसमें नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है। सुधार न होने पर दवाइयां और इंसुलिन देना आवश्यक है।

लक्षण: बार-बार यूरीन आना खासकर रात में, अधिक प्यास लगना, जल्दी थक जाना, कमजोरी, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, देखने में दिक्कत, पढ़ाई में मन न लगना, मूड स्विंग्स, अचानक इंफेक्शन होना, विकास प्रभावित होना, लड़कियों में पीरियड्स का अनियमित होना।

कारण: डायबिटीज का जेनेटिक फैमिली बैकग्राउंड, गर्भावस्था में मां को जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण नवजात शिशु का 3.5 किलोग्राम से अधिक होना, अधिक स्क्रीन टाइम और कम फिजिकल एक्टिविटी। मोटापा, जंक, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन करना। a

बचाव के उपाय

डायबिटीज से अपने बच्चों को बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- बच्चों में हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डालें।
- घर का बना संतुलित आहार दें और जंक फूड से दूर रखें।
- मीठा कम खाने को दें और नट्स, फ्रूट्स उनकी डाइट में शामिल करें।
- बच्चों के वजन और गतिविधि पर ध्यान रखें, ग्रोथ चार्ट मेंटेन करें।
- रोजाना कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी के लिए बच्चे को प्रेरित करें।
- गर्भावस्था में महिलाओं को हेल्दी डाइट दें और नियमित चेकअप कराएं।
- अगर बच्चे को डायबिटीज है तो नियमित दवाएं और मॉनिटरिंग आवश्यक है।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

रानी लक्ष्मीबाई जयंती मनाने को सौंपा ज्ञापन

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में 19 नवंबर को रानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर विवि में कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर रजिस्ट्रार प्रोफेसर लवलीन मोहन को ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी जींद विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि लक्ष्मी बाई का जन्म वाराणसी में 19 नवंबर 1828 को हुआ था।

खेतों में रखे ट्रांसफार्मर का तेल चोरी, केस दर्ज

जींद। गांव पदार्थ खेड़ा में एक किसान के खेत में लगे बिजली ट्रांसफार्मर से चोरों ने 120 लीटर तेल चोरी कर लिया। गढ़ी थाना पुलिस ने बिजली निगम के एसडीओ की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गढ़ी थाना पुलिस को दी शिकायत में बिजली निगम के एसडीओ महेंद्र सिंह ने बताया कि बिजली निगम ने गांव पदार्थखेड़ा निवासी किसान सिकंदर के खेत में ट्रासंफार्मर रखा हुआ है।

कबड्डी प्रतियोगिता में एसडी स्कूल के विद्यार्थी रहे प्रथम

जींद। राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में जींद की टीम ने कबड्डी में एसडी स्कूल घिमाना के बच्चों ने जींद की तरफ से खेलते झज्जर की टीम को हराते हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस टीम में शामिल स्कूल के बच्चे कुनाल व देव का स्कूल पहुंचने पर स्वागत किया व मेडल पहना कर सम्मानित किया गया। तैराकी में वाटर पोलो खेल में शिवानी ने हरियाणा में दूसरा और शिवा ने में तीसरा स्थान प्राप्त कर जींद का व विद्यालय का नाम रोशन किया।

डीसी ने समाधान शिविर में सुनी जन शिकायतें

जींद। लघु सचिवालय स्थित सभागार में सोमवार को उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल नौ शिकायतें प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता और सहानुभूति के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

सद्भाव यात्रा से बदल रहा प्रदेश का माहौल : विजेंद्र

उचाना। कांग्रेस नेता विजेंद्र डूमरखां ने कहा कि सद्भाव यात्रा पहला चरण पूरा करने के बाद अब 11 नवंबर से नांगल चौधरी से शुरू होगी। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह सद्भाव का संदेश लेकर पूरे प्रदेश में सदभाव पैदल यात्रा लेकर निकले है। नरवाना हलके के दनौदा गांव के ऐतिहासिक बिनैन खाप के चबूतरे से यात्रा शुरू हुई थी। एक महीने में यात्रा के माध्यम से तीन लोकसभा, 14 हलकों से 500 किलोमीटर से अधिक चल सद्भाव का संदेश दिया गया।

सीआरएसयू में दो दिवसीय कार्यशाला आज से

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि जींद में हरियाणवी लोक संस्कृति नृत्य विधाओं के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिए युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 11 व 12 नवंबर को किया जा रहा है। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. राम पाल की शिरकत करेंगे।

प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए 15 तक जमा करवाएं आवेदन

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से लोक प्रशासन में उत्कृष्टता को लेकर प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए पंजीकरण और आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए निर्धारित शर्तें और मापदंड पूरे करने वाले प्रार्थी 15 नवंबर तक आवेदन जमा करवा सकते हैं।

हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन आज

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम 11 नवंबर को सीआरएसयू के ऑडिटोरियम हाल में शाम सात बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कहा कि यह कार्यक्रम गुरु जी के जीवन आदर्शों, उनके बलिदान और अमर विरासत को समर्पित होगा।

कष्ट निवारण समिति की बैठक में उठा था मामला

सिंचाई के प्रयोग के लिए बनने वाले नाले का एसडीएम ने किया निरीक्षण

गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान रखा जाए

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने सोमवार को गांव गांगोली में फसलों की सिंचाई के लिए उपयोग में लाए जा रहे नाले का भौतिक निरीक्षण किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस नाले को चौड़ा और पक्का करवाने के लिए इसकी फाइल तैयार कर मुख्यालय पंचकूला स्थित सूक्ष्म सिंचाई विभाग को भेजा जाए ताकि जल्द से जल्द इसकी स्वीकृति मिल सके और किसानों को सिंचाई में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आए। गौरतलब है कि गत 29 अक्टूबर को जींद में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में गांव गांगोली के किसानों ने खेतों से गुजरने वाले कच्चे नाले को पक्का करवाने की मांग रखी थी। इसी संदर्भ में कमेटी के अध्यक्ष के निर्देशानुसार एसडीएम ने निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। गांव से गुजरने वाली माइनर से नाले की मौजूदा स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और अधिकारियों से इसकी तकनीकी रिपोर्ट तैयार करने को कहा। यह भी निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान रखा जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की शिकायत की गुंजाइश नहीं रहे। एसडीएम ने कहा कि किसानों की सिंचाई संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान के लिए सरकार व प्रशासन हमेशा से तत्पर है। पानी किसी भी फसल की पहली और सबसे महत्वपूर्ण जरूरत है।

जींद। निरीक्षण करते सफीदों एसडीएम। फोटो :हरिभूमि

समस्या से निजात मिलेगी

किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त एवं सुचारु जल आपूर्ति मिलनी चाहिए ताकि उनकी उपज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग से स्वीकृति मिलते ही नाले को पक्का और चौड़ा करने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए। इससे न केवल खेतों तक पानी की आपूर्ति सुचारु रहेगी बल्कि नाले के क्षतिग्रस्त होने या टूटने जैसी समस्याओं से भी निजात मिलेगी। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि सरकार किसानों की भलाई के लिए लगातार योजनाएं बना रही है और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक किसान तक समय पर पहुंचे। सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने से खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। मौके बीडीओ नरेश शर्मा, एक्सईएन काडा अजिंद्र पाल, एक्सईएन रघुवीर भुक्कल सहित गांव गांगोली के सरपंच सहित किसान उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत खेल विभाग की ओर से पूंडरी के इंडोर आउटडोर स्टेडियम में फिटनेस सेशन का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं और खिलाड़ियों को शारीरिक फिटनेस, राष्ट्र निर्माण और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में नपा के चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश गोस्वामी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। पार्षद सतीश और पूर्व मंडी प्रधान एवं पार्षद विक्की सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

पूंडरी। इंडोर आउटडोर स्टेडियम में फिटनेस सेशन के दौरान खिलाड़ी।

अनुशासन में रहने का आह्वान

सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें एक सशक्त, स्वस्थ और नशा मुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। राकेश गोस्वामी ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए, ताकि वे न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सफल हों, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करने और अनुशासन में रहने का आह्वान किया। यह फिटनेस सेशन सरदार पटेल के एकता और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को खेल और स्वास्थ्य के माध्यम से युवाओं तक पहुंचाने का एक सफल प्रयास रहा।

राजौंद। किठाना कॉलेज के विद्यार्थी भ्रमण के लिए रवाना होते हुए।

शैक्षणिक भ्रमण को चंडीगढ़ के लिए रवाना

राजौंद। किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बीएबीएड पांचवें सेमेस्टर के भूगोल विषय के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत एक फील्ड स्टडी टूर के लिए चंडीगढ़ शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुए। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भौगोलिक अध्ययन के व्यावहारिक पक्षों से अवगत करवाना तथा प्राकृतिक एवं मानव निर्मित भौगोलिक संरचनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है। कालेज प्राचार्या ने बताया कि विद्यार्थियों ने दौरान रॉक गार्डन, सुखना झील, रोज गार्डन,पिंजौर गार्डन,चंडीगढ़ प्लानिंग म्यूजियम आदि प्रमुख स्थलों का अवलोकन और वहां के भौगोलिक एवं पर्यावरणीय पहलुओं पर अध्ययन करवाया जाएगा। अध्ययन भ्रमण से छात्रों ने शहरी नियोजन,पर्यावरण संरक्षण एवं स्थायी विकास की अवधारणाओं को समझने का अवसर प्राप्त किया। प्राचार्या डा. निर्मल सिंहरोहा ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे फील्ड स्टडी प्रोग्राम विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करने के साथ-साथ उन्हें व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान करते हैं।

बिना अनुमति प्लॉट विक्रय पर रोक : मनीष दहिया

जींद। जिला नगर योजनाकार मनीष दहिया ने बताया कि जुलाना एवं उचाना शहरी क्षेत्रों में बिना विभागीय अनुमति, लाइसेंस, सीएलयू या एनओसी प्राप्त किए कुछ व्यक्तियों द्वारा अनधिकृत कॉलोनियों का विकास किया जा रहा है। विभाग द्वारा ऐसे मामलों में विधि अनुसार आवश्यक कार्यवाही आरंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया है कि जुलाना राजस्व एस्टेट के अंतर्गत खसरा नंबर 149//2, 3, 8, 9/1, 13 एवं 18 मिन तथा उचाना एचबी न. 109 राजस्व एस्टेट के अंतर्गत खसरा नंबर 62//16/1, 17/1/1, 17/1/2/5, 17/1/2/6/1, 17/1/2/1, 17/1/2/3, 17/1/2/4, 16/2 एवं 17/1/2/6/2 में बिना अनुमति विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होने आमजन से अपील की है कि उक्त खसरा नंबरों में किसी भी प्रकार की विक्रय विलेख, समझौता, पूर्ण भुगतान समझौता या पावर ऑफ अटॉर्नी के रूप में भूमि विक्रय अथवा पंजीकरण न करें।

विद्यार्थियों के अंदर स्वदेशी-स्वालंबन की भावना का विकास करना उद्देश्य

कैथल। डॉबीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वाधान में स्वदेशी संकल्प दिवस मनाया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश रहे तथा विशेष अतिथि पंजाब नेशनल बैंक से प्रवेश मोर और बलदेव आर्य, उप निदेशक एमएसएमई रहे। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. रोजी गुप्ता रही । स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी की 105वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया है तथा कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर स्वदेशी और स्वालंबन की भावना का विकास करना है।

गायन कार्यक्रम का आयोजन

नरवाना। परवाज एक उड़ान संस्था द्वारा गत सायं एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां पूरे प्रदेश से आए हुए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित करने से हुई। कार्यक्रम को देखने के लिए उमड़ी भीड़ का जोश देखे ही बनता था। पुराने गीतों को बड़े ही रंगीन अंदाज के साथ कलाकारों ने पेश किया। एक से बढ़कर एक प्रस्तुति कलाकारों ने पेश की। परवाज एक उड़ान द्वारा हर वर्ष इसी तरह के रंगीन संगीतमय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। संस्था के सदस्य पिछले कई दिनों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दिन-रात एक किए हुए थे। बॉलीवुड कलाकार अरविंद राजपूत और जसंसी ने एक हसीना थी एक दीवाना था गाना गाकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

नरवाना। प्रतियोगिता में विजेता रही टीम। फोटो :हरिभूमि

क्रिकेट में केएम राजकीय कॉलेज की टीम विजेता

नरवाना। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन छह नवंबर से आठ नवंबर तक चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय के द्वारा रॉयल स्पोर्ट्स अकैडमी पिंडारा में करवाया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अंतर्गत छह महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना की टीम ने फाइनल मैच में यूटीडी की टीम को आठ विकेट से हराकर यूनिवर्सिटी चैंपियन होने का गौरव प्राप्त करके गोल्ड मेडल प्राप्त किया। महाविद्यालय के खिलाड़ियों की उपलब्धि के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू सिंह व शारीरिक शिक्षा के प्रोफेसर मेजर सुरेंद्र कुमार और महाविद्यालय के स्टाफ ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नरवाना। केएम राजकीय महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन वाणिज्य विभागाध्यक्ष ऊषा शर्मा के निर्देशन में शुरू हुआ। कार्यक्रम शुभारंभ पर प्राचार्या मीनू सिंह ने छात्रों को संबोधित करते कहा कि वाणिज्य व आर्थिक गतिविधियां हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए पूंजी से संबंधित योजनाओं का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया जाना चाहिए। सेबी और एनआईएसएम के डा. अरुण पूनिया और पदमा द्वारा मुख्य वक्तव्य दिया गया। वाणिज्यिक क्षेत्र में बचत और निवेश के महत्व को प्रतिपादित करते वित्तीय अवसर एनिवेश करते समय सावधानियां, प्राथमिक बाजार, सेबी की शिकायत निवारण प्रणाली तथा वित्तीय ढांचे के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान किया। कार्यशाला में 50 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में प्रोफेसर सुनील कुमार, परमिंदर, आरती, स्वीटी व सोनू का अहम योगदान रहा।

उचाना। एक दिवसीय एनएसएस शिविर में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

एनएसएस शिविर का आयोजन

उचाना। स्वामी गणेशानंद सनातन धर्म शिक्षण महाविद्यालय उचाना कलां में चल रही एनएसएस इकाई के द्वारा एकदिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया। संस्था निदेशक विनोद कुमार वशिष्ठ ने समाज निर्माण में एनएसएस के योगदान की सराहना की। प्राचार्य डीएड, बीएड धर्मवीर ने समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में बाबा दूधाधारी गौशाला, सन्यास आश्रम में सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर होशियार सिंह, वीरेंद्र सिंह, सर्वेश कुमार, सुनीता, पूनम, सीमा उपस्थित रही।

नरवाना। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। फोटो :हरिभूमि

कालेज में स्वयंसेवक सत्यजीत को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती प्राचार्या निधि गुप्ता।

एनएसएस गतिविधियों में भाग लेने के लिए किया प्रेरित

जींद। राजकीय महाविद्यालय अलेवा में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक सत्यजीत के सम्मान में विशेष समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्या निधि गुप्ता ने की तथा संचालन कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज कुमार ने किया। प्राचार्या ने बताया कि सत्यजीत ने हाल ही में मनाली, हिमाचल प्रदेश स्थित अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर को सफ लतापूर्वक पूरा किया है। बताया कि स्वयंसेवक सत्यजीत ने 29 अक्टूबर से 7 नवंबर तक चले 10 दिवसीय साहसिक शिविर में कालेज का प्रतिनिधित्व किया और विभिन्न साहसिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्या निधि गुप्ता ने सत्यजीत की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते कहा कि ऐसे शिविर छात्रों में साहस, नेतृत्व और टीम भावना को विकसित करते हैं। अन्य छात्रों को भी एनएसएस गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डा. मनोज कुमार ने बताया कि सत्यजीत ने शिविर में पूर्ण अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया।

एमडीएन ग्लोबल स्कूल के खिलाड़ियों ने 8वीं जिला रोलर स्केट बास्केटबॉल चैम्पियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एमडीएन ग्लोबल स्कूल कैथल के छात्रों ने कैथल में आयोजित 8वीं जिला रोलर स्केट बास्केटबॉल चैम्पियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर विद्यालय, अभिभावकों और शहर का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चार छात्रों ने भाग लिया। अंडर-11 गर्ल्स वर्ग में कक्षा चार की पावनी और कक्षा तीन की समीक्षा ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी वर्ग में कक्षा पाँच के विश्वास ने दमदार प्रदर्शन के साथ रजत पदक प्राप्त किया, जबकि अंडर-14 बॉयज वर्ग में कक्षा सातवी के चेतन ने शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक जीता। इन सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने का श्रेय कोच नवजोत सिंह गिल को जाता है, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा को निखारा। इन चारों विजेता खिलाड़ियों का चयन अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हो गया है, जो 16 नवम्बर 2025 को सोनीपत में आयोजित की जाएगी। विद्यालय में लौटने पर छात्रों का जोरदार स्वागत किया गया। डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार, चेयरपर्सन निधि कंसल, मैनेजर गौरव गर्ग एवं प्रधानाचार्य डॉ. सन्त कौशिक ने विजेता छात्रों का फूल मालाओं, पदकों और प्रशंसा पत्रों के साथ सम्मान किया।

कैथल। खिलाड़ियों को सम्मानित करते डा. विनोद कुमार। फोटो :हरिभूमि

उचाना। करसिंधु के स्कूल में सेमिनार में छात्रा से बातचीत करते अनिल मलिक।

मनोवैज्ञानिक सुझाव विषय पर सेमिनार

उचाना। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्य स्तरीय परियोजना बाल सलाह, परामर्श व कल्याण केंद्रों की स्थापना के अंतर्गत निरंतर आयोजित किए जा रहे सेमिनारों की श्रृंखला में करसिंधु के राजकीय वमावि में अध्ययनरत किशोर विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों के लिए किशोरावस्था पर ध्यान केंद्रित कर युवाओं को सशक्त बनाना, बेहतर आत्म देखभाल और सुरक्षा के लिए मनोवैज्ञानिक सुझाव विषय पर सेमिनार का आयोजन किया। मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने कहा कि जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते किशोर युवाओं को अपनी वास्तविक रुचियों की सही पहचान व सकारात्मक गुणों पर ध्यान केंद्रित करते अपनी अंदरूनी अर्जित ताकत को पहचान कर विकसित करना चाहिए। किशोरावस्था निरंतर परिवर्तन और विकास की उम्र है आत्म पहचान को बढ़ावा देकर महत्वपूर्ण जीवन कौशल का विकास उज्ज्वल भविष्य जीवन निर्माण में सहायक होगा। उम्र के इस नाजुक दौर में संभवत व्यक्ति विशेष पर है कि आप अपने जीवन को संवारना चाहते हैं।

जलवायु परिवर्तन आज मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौती

जीरो वेस्ट जीवनशैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

प्रकृति के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं जीरो वेस्ट इनिशिएटिव विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जीरो वेस्ट जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कॉलेज के प्राचार्य जेएन गहलावत ने कहा कि कॉलेज को गर्व है कि उसे ऐसे सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यवहारिक और सामाजिक शिक्षण का अवसर मिला। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे गांधीजी के सिद्धांतों को आत्मसात करते प्रकृति के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन के अध्यक्ष राजकुमार भोला ने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बना कर ही हम स्वस्थ, स्वच्छ और संतुलित भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं। पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार या संगठनों की जिम्मेदारी नही बल्कि यह हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। मुख्य वक्ता नेचर्स ऑर्बिट कलेक्टिव फाउंडेशन के संस्थापक देबब्रत राजकुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आज की नई युवा पीढ़ी में एचआईवी एड्स के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे और समाज को एक नई दिशा देने का कार्य भी करेगा। स्कूल प्रधानाचार्या पूनम साहू, डा. सीमा ने कहा कि एचआईवी या एड्स कैसे फैलता है, ये क्या होता है, इसके क्या लक्षण हैं और एचआईवी एड्स का इलाज किस प्रकार से किया जा सकता है।

प्रिंसिपल जेएन गहलावत मुख्य वक्ता देबब्रत राजकुमार को सम्मानित करते हुए।

जूट के बैग का उपयोग करें

यह केवल तापमान बढ़ने या मौसम बदलने की बात नही है बल्कि हमारे जीवन, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा विषय है। धरती का बढ़ता तापमान, ग्लेशियरों का पिघलना, असामान्य वर्षा, सूखा और प्रदूषण जैसी समस्याएं इस संकट के स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम जीरो वेस्ट लाइफ स्टाइल अपनाएं। यानी ऐसा जीवन जिसमें हम जितना संभव हो उतना कम कचरा पैदा करें और हर चीज का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और पुनर्निर्माण करें। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि बदलाव की शुरुआत अपने घर और कॉलेज से करें।प्लास्टिक की जगह कपड़े या जूट के बैग का उपयोग करें। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि हर छात्र अपने जीवन में छोटे-छोटे कदम उठा कर भी एक बड़े परिवर्तन का हिस्सा बन सकता है।

जींद। बच्चों को एड्स बीमारी के प्रति जागरूक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

एड्स के विरुद्ध जागरुकता फैलाएं

जींद। हिंदू कन्या कालेज की रेड रिबन क्लब के द्वारा हरियाणा सरकार के एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान के तहत गोद लिए खोखरी के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एचआईवी एड्स पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन रेड रिबन क्लब की इंचार्ज डा. सीमा दलाल एवं सदस्य डा. पिंकी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के 80 व हिंदू कॉलेज की 12 छात्राओं ने भाग लिया। डा. सीमा दलाल व सदस्या डा. पिंकी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आज की नई युवा पीढ़ी में एचआईवी एड्स के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे और समाज को एक नई दिशा देने का कार्य भी करेगा। स्कूल प्रधानाचार्या पूनम साहू, डा. सीमा ने कहा कि एचआईवी या एड्स कैसे फैलता है, ये क्या होता है, इसके क्या लक्षण हैं और एचआईवी एड्स का इलाज किस प्रकार से किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

वाहन की चपेट में आने से डेयरी संचालक की मौत

जींद। पिंडारा पुल के पास दिल्ली-संगरूर नेशनल हाईवे पर सोमवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से डेयरी संचालक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। पुलिस ने मृतक परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कैथलः मारपीट में दो व्यक्ति घायल

कैथल। जिले में हुई मारपीट की अलग अलग घटनाओं में दो व्यक्ति घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव फतेहपुर के रमेश ने थाना पुंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 8 नवंबर को जब वह गांव फतेहपुर से जा रहा था तो गांव के ही सुरजीत, गौरव तथा राहुल ने मिलकर उसके साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

एडीसी की अध्यक्षता में कृषि यंत्रों का ड्रा निकाला गया

जींद। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) कंपोनेंट के अंतर्गत किसानों के लिए कृषि यंत्रों का ड्रा निकाला गया। इस ड्रा में कुल 391 कृषि यंत्रों का चयन किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कृषि विभाग के अधिकारियों से ड्रा प्रक्रिया की जानकारी ली।

कुमारी शैलजा आज नरवाना व जींद दौर पर

नरवाना। सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा मंगलवार को जींद जिले के दौरे पर रहेंगी और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और नगर पार्षद आशुतोष शर्मा ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव, सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा मंगलवार को सुबह नौ बजे गांव जाजनवाला में शहीद अमरजीत नैन के परिवार से संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंचेंगी।

मकान से लाखों के जेवरात व नकदी चोरी

जींद। नरवाना की भगत सिंह कालोनी के मकान से लाखों रुपये के जेवरात व 20 हजार रुपये की नकदी चोरी हो गई। पुलिस ने एक युवक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नरवाना शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में धौला कुआं निवासी सचिन ने बताया कि उसके मामा विक्रम कुमार भगत सिंह कालोनी में रहते हैं।

पूनम मैहता, पूर्णिमा" के प्रथम काव्य का लोकार्पण

राजौंद। साहित्य अकादमी के सौजन्य से कवयित्री पूनम मेहता पूर्णिमा के प्रथम काव्य संग्रह गूंज अंतर्मन की लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। पुस्तक लोकार्पण एवं समाज सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयोजन में सेवा अधिकारी एवं वरिष्ठ महिला साहित्यकार प्रो.सुमेधा कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के उर्दू भाषा के प्रकोष्ठ के निदेशक डॉक्टर चंद्र त्रिखा ने की।

महिलाओं के अधिकारों की जानकारी जरूरी

जींद। राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं में कानून जागरूकता विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। छात्राओं एवं महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में महिलाओं के प्रति समानता एवं न्याय की भावना को प्रोत्साहित करना था।

विधायक ने किया पांच करोड़ की लागत से बने जलघरों का किया उद्घाटन

उदयपुर, नचार खेड़ा को खुद का मिला जलघर कई साल से नहीं हो रही थी पानी की सप्लाई

घरों में जलघर बनने के बाद स्वच्छ पेयजल पहुंचेगा दोनों जलघरों के टैंकों में नहर का पानी पाइप लाइन से पहुंचेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ उचाना

उदयपुरए नचार खेड़ा गांव में पीने के पानी की जो समस्या थी उसका स्थायी समाधान हो गया है। अब दोनों गांव को खुद का जलघर मिल गया है। नचार खेड़ा गांव में तो कई सालों से पानी की सप्लाई नहीं हो रही थी। यहां पर जो पाइप लाइन थी वो कंडम होने के चलते सप्लाई नहीं आ रही थी। उदयपुर गांव में बूस्टिंग स्टेशन है यहां पर दुर्जनपुर गांव से सप्लाई पानी की आ रही थी। अब दोनों गांव में बने जलघरों का विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा सोमवार को उद्घाटन किया। घरों में जलघर बनने के बाद स्वच्छ पेयजल पहुंचेगा। दोनों जलघरों के टैंकों में नहर का पानी पाइप लाइन से पहुंचेगा। लोगों की समस्याओं को भी विधायक ने सुना।

जींद। जलघर का उद्घाटन करते हुए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री। *फोटो : हरिभूमि*

> नचार खेड़ा गांव में तो कई सालों से पानी की सप्लाई नहीं हो रही थी, यहां पर जो पाइप लाइन थी वो कंडम होने के चलते सप्लाई नहीं आ रही थी

मौजूद रहे

इस मौके पर एक्सईएन प्रशांत, एसडीओ सुनीता देवी, सुरेंद्र खरकभूरा, सतीश जांगड़ा, सत्यवान कौशिक, प्रवीण गर्ग सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बुलेट ट्रेन की स्पीड से हो रहा है उचाना में विकास

विधायक ने कहा कि नचार खेड़ा गांव में करीब 265 लाख, उदयपुर में 241 लाख रुपये के लगभग की राशि खर्च करके जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा जलघरों का निर्माण किया। अब दोनों गांव में पीने के पानी की किल्लत नहीं रहेगी। हर घर में स्वच्छ पेयजल पहुंचे इसको लेकर निरंतर सरकार कार्य कर रही है। दोनों गांव में नए कनेक्शन किए गए है ताकि हर घर पानी पहुंचे। डीआई पाइप लाइन भी बिछाई गई है। उदयपुर में करीब 70 लाख रुपये का अस्टीमेट बना कर मंजूरी के लिए पीने के पानी के अन्य कार्य के लिए भेजा गया है। किसी तरह से भी विकास के कामों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। उचाना विकास की पटरी पर बुलेट ट्रेन की स्पीड से दौड़ रहा है। कांग्रेस नेता द्वारा निकाली जा रही सदभाव यात्रा पर अत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं में खुद सदभाव नहीं है। ये सद्भाव यात्रा सिर्फ राहुल गांधी के सामने नंबर बनाने के लिए निकाली जा रही है। इस यात्रा का उद्देश्य सिर्फ खुद को कांग्रेस में स्थापित करना है। प्रदेश का मतदाता किसी के बहकावे में नहीं आएगा। मतदाता इस को जानता है कि योग्यता के आधार पर किसी सरकार में रोजगार मिल सकता है तो वो भाजपा की सरकार है। क्षेत्रवादए परिवारवाद को भाजपा ने खत्म करने का काम किया है। हरियाणा प्रदेश पूरे देश में पहला ऐसा प्रदेश है जहां 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। बिहार में जो माहौल नजर आ रहा है उससे साफ है कि जब परिणाम आएंगे तो प्रचंड बहुमत से एनडीए सत्ता में आएगी। चुनाव में हार नजर आती देख परिणाम आने से पहले ही कांग्रेस, महागठबंधन के नेता बौखला गए है जो तरह.तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे है।

नई अनाज मंडी में पहुंचीं विधायक विनेश फोगाट

जुलाना। मंडी में आढ़तियों की समस्याएं सुनती विधायक विनेश फोगाट।

- आढ़तियों की समस्याएं सुनी समाधान का दिलाया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुलाना

जुलाना की नई अनाज मंडी में सोमवार को कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट पहुंची और आढ़तियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मंडी के आढ़तियों ने विधायक के समक्ष कई महत्वपूर्ण मुद्दे रखे और मंडी में आ रही दिक्कतों के समाधान की मांग की। विधायक विनेश फोगाट ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और जल्द ही समाधान करवाने का आश्वासन दिया। आढ़तियों ने विधायक को बताया कि जुलाना की नई अनाज मंडी में जगह की भारी कमी के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मंडी क्षेत्र छोटा होने की वजह से फसल खरीद के सीजन में जगह की समस्या इतनी गंभीर हो जाती है कि मजबूरन 10 दिनों में से करीब पांच दिन मंडी को बंद रखना पड़ता है। इससे किसानों और आढ़तियों दोनों को भारी नुकसान झेलना पड़ता है। इसके अलावा आढ़तियों ने शिकायत की कि मंडी परिसर में एक सब्जी मंडी का निर्माण किया गया है लेकिन वहां कोई सब्जी नहीं आती, जिससे वह क्षेत्र बेकार पड़ा है। उन्होंने मांग की कि सब्जी मंडी को बदल कर अनाजमंडी किया जा ताकि स्थान का सही उपयोग हो सके।

दिए जरूरी निर्देश

आढ़तियों ने कहा कि मंडी परिसर के पार्क क्षेत्र की जमीन को पार्क को पक्का करवाने और मंडी के तृतीय भाग का निर्माण जल्द करवाने की मांग रखी ताकि कामकाज सुचारू रूप से चल सके और व्यापारियों को सुविधाजनक वातावरण मिल सके। विधायक विनेश ने सभी समस्याओं को विस्तार से सुना और कहा कि वह इन मुद्दों को विधानसभा में उठाएंगी। उन्होंने कहा कि किसानों और आढ़तियों की सुविधाओं से जुड़ी कोई भी समस्या नजर अंदाज नहीं की जाएगी। उन्होंने मंडी परिसर का निरीक्षण भी किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

किसानों ने मांगों को लेकर जमकर की नारेबाजी

अनाज की खरीद में अनुचित कटौती व कमिशन देकर किसानों को धोखा दिया गया

हरिभूमि न्यूज. पूंडरी

भारतीय संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक आज किसान भवन पूंडरी में हुई, जिसमें गांवों के कई किसानों व प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान मांगे राम सिकंदर खेड़ी ने की। इस मौके पर किसानों ने मांगों को लेकर प्रदेश सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बैठक में खासतौर पर प्रदेश महासचिव भूराराम पबनावा व कर्यकारी अध्यक्ष बलवान सिंह पाई ने शिरकत की। बैठक का संचालन बलबीर सिंह हाबड़ी व हरपाल सिंह ने किया।

इस अवसर पर भूराराम पबनावा ने कहा कि किसानों के साथ व्यापारियों और कभी-कभी सरकारी तंत्र की मिलीभगत से अनाज की खरीद में अनुचित कटौती व कमिशन देकर किसानों को धोखा दिया गया है तथा उर्वरकों की आपूर्ति व गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं रही है, जिससे खेतों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई और अनुग्रह की मांग की।

पूंडरी। मांगों को लेकर रोष जाहिर करते प्रमुख किसान नेता भूराराम पबनावा व अन्य किसान। *फोटो : हरिभूमि*

मुआवजा दिया जाए

बैठक में मुख्य तौर पर उठाए गए मुद्दे और मांगें इस प्रकार हैं, धान की खरीदी में व्यापारियों व संबंधित तंत्र द्वारा प्रति क्विंटल 400 रुपए तक की कटौती/कमीशन के आरोप की निष्पक्ष जांच कराकर किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करवाई जाए। डीएपी सहित खाद की खराब गुणवत्ता और समय पर न मिलने की शिकायतों की सीबीआई या स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। खराब हुई धान/फसल का तत्काल मुआवजा दिया जाए ताकि किसान परिवारों को राहत मिल सके। सर्दियों के मौसम में खेतों व घरेलू आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

गलत लेन, ध्वनि प्रदूषण, लाल नीली बत्ती वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई

- 1 सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर किए गए 119 वाहनों के चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क हादसों की रोकथाम के उद्देश्य से 3 नवंबर से 9 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रैफिक एस एच ओ इंस्पेक्टर नरेश कुमार की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस द्वारा गलत लेन में वाहन, लाल नीली बत्ती का इस्तेमाल व नशा करके वाहन चलाने वालों तथा प्रेशर हॉर्न व बुलेट बाइक से पटाखे बजाकर या अन्य तरीके से ध्वनि प्रदूषण करने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान गलत लेन में वाहन चलाने के 81, ध्वनि प्रदूषण करने के 10, लाल नीली बत्ती इस्तेमाल के 20 तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 8 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस ने इस दौरान सभी वाहन चालकों को भी यातायात नियमों की पालना करने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी।

कैथल। वाहनों की जांच करते पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जींद। फरीदाबाद में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी सुशील और पवन।

राज्यस्तरीय ओलंपिक में सुशील और पवन ने जीता मेडल

जींद। फरीदाबाद में आयोजित राज्यस्तरीय ओलंपिक वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में थुआ गांव के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों सुशील और पवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। 65 किलोग्राम भार वर्ग में उतरे सुशील ने कुल 223 कि लोग्राम भार उठाकर रजत पदक अपने नाम किया। वहीं 79 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेने वाले पवन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 281 किलोग्राम भार उठा कर सिल्वर मेडल हासिल किया। अनिल फौजी ने बताया कि सुशील और पवन इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर खेलो इंडिया, खेलो यूनिवर्सिटी गेम्स, आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स जैसे बड़े आयोजनों में भाग ले चुके हैं, जहां उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि सुशील और पवन दोनों ही साधारण किसान परिवार से संबंध रखते हैं। उनका हुनर दब न जाए, इसलिए फौजी भाइयों द्वारा दोनों खिलाड़ियों को निरंतर आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है ताकि वे बिना किसी बाधा के अपने खेल में आगे बढ़ सकें।

कांग्रेस ने रघुबीर भारद्वाज को बनाया जिला हिसार का ऑब्जर्वर

- सरकार के खिलाफ चलाया जाएगा जनजागरण अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

वोट चोरी अभियान को लेकर कांग्रेस द्वारा जिला हिसार के आब्जर्वर बनाए गए रघुबीर भारद्वाज ने कहा कि वोट चोरी की सच्चाई जनता के सामने लाने के लिए जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने जिला हिसार का आब्जर्वर बनाए जाने पर राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े, प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह व हरियाणा प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह खरा उतरेंगे। कांग्रेस को मजबूत करने के लिए दिनरात काम करेंगे। इसके अलावा जो कार्य पार्टी ने उनको सौंपा हैए उसे लोगों की मदद से पूरा किया जाएगा। सोमवार को रघुबीर भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश में जो सरकार बनी है, वह अवैध है। यह सरकार वोट चोरी करके बनी है। इसके सबूत लोकसभा में प्रतिपक्ष

जींद। कांग्रेस नेताओं के साथ रघुवीर भारद्वाज। फोटो : हरिभूमि

किस्त न आने से अधर में लटका मकान निर्माण कार्य

कैथल। गांव गयोंगा गरीब लोगों ने सरकार से नाराज नारेबाजी की और अपनी समस्याओं का ज्ञापन उपयुक्त कैथल को सौंपा। प्रेस को दी जानकारी में रोशनी, अंग्रेजों, कमलेश, अनीता, वेदों, चलती, माया, महिंद्रो, कलादेवी, शीशपाल, रामनिवास, विजय, निवासाराम आदि ने बताया की सरकार द्वारा हमें आवास के नाम से कॉलोनी मंजूर की गई है लेकिन हमारी पहली किस्त मार्च 2025 में डल चुकी है और जिसका हमने एक महीने के अंदर अंदर मकान तुड़वाकर दोबारा दीवार खड़ी कर दी लेकिन अगली किस्त आने पर छत डालनी थी। लगभग 8 महीने से ज्यादा का समय गुजर गया अब तक दूसरी किस्त नहीं डाली गई। ऊपर से लगातार दिन प्रतिदिन ठंड का कहर बढ़ता जा रहा है और हमारे पास सर छुपाने के लिए कुछ नहीं है। इस कारण हम बड़ी परेशानी से जूझ रहे हैं क्योंकि हम मेहनत मजदूरी करने वाले गरीब लोग हैं और मकान का कार्य निर्माण दिन होने के कारण हम लगभग पिछले 1 साल से इसी चक्कर में फंसे हुए हैं। न कोई काम धंधा कर पा रहे हैं।

कैथल। दूसरी किश्त की मांग को लेकर लघु सचिवालय में रोष जताते ग्रामीण।

भाई मतीदास ने धर्म की रक्षा के लिए दिया अपना बलिदान : अशोक छिब्बर

धर्म और सत्य की मूर्ति भाई मतीदास छिब्बर को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सुखमनी साहिब के पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

धर्म को बचाने के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले भाई मती दास छिब्बर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि के लिए रविवार को रेलवे रोड पर सुखमनी साहब पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने गुरू के सम्मुख नतमस्तक होकर गुरूओं की शहादत को याद किया। इस दौरान लंगर का भी आयोजन किया गया। जिसमें सैंकडों लोगों ने प्रसाद चखा। व्यवस्था को बनाने के लिए सभी श्रद्धालुओं ने एकजुटता से काम किया।

अशोक छिब्बर ने बताया कि सबसे पहले सुखमनी साहिब के पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इसके बाद रेलवे रोड पर ही लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें सैंकडों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अशोक छिब्बर ने बताया कि भाई मती दास जी 11 नवंबर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक में शहीद हुए थे। उन्हें औरंगजेब के आदेश पर आरी से चीर कर मारा गया था। क्योंकि उन्होंने इस्लाम धर्म स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इस्लाम न स्वीकार करने पर औरंगजेब के आदेश से उन्हें यातनाएं दी गई। जिसमें उन्हें आरी से दो टुकड़ों में काट दिया गया। उसी दिन उनके छोटे भाई भाई सती दास और भाई दयाल दास भी शहीद हुए थे।

जींद। लंगर में प्रसाद चखते हुए श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

महान शहीदों में एक थे

अशोक छिब्बर ने बताया कि भाई मति दास जी सिख धर्म के महान शहीदों में से एक थे। जिन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के साथ धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वे गुरु जी के परम भक्त और विश्वासपात्र थे। 1675 में जब मुगल शासक औरंगजेब ने जबरन इस्लाम स्वीकारने का दबाव डाला तो भाई मति दास जी ने अपने धर्म और सिद्धांतों से समझौता करने से स्पष्ट इनकार कर दिया और शहीदी पाई। उनका बलिदान सिख इतिहास में एक अविस्मरणीय उदाहरण है। जो आज भी साहस, निष्ठा और धर्म के प्रति अटूट समर्पण की प्रेरणा देता है। अशोक छिब्बर ने भाई मतिदास की शहादत का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भाई मतिदास ने व्यंग्यपूर्वक काजी से पूछा था कि यदि मैं इस्लाम मान लूं तो क्या मेरी कभी मृत्यु नहीं होगी। काजी ने कहा कि यह कैसे संभव है। जो धरती पर आया है, उसे मरना तो है ही। भाई जी ने हंसकर कहा कि यदि तुम्हारा इस्लाम मजहब मुझे मौत से नहीं बचा सकता तो फिर मैं अपने पवित्र हिंदू धर्म में रह कर ही मृत्यु का वरण क्यों न करूं। उन्होंने जल्लाद से कहा कि अपना आरा तेज चलाओ, जिससे मैं शीघ्र अपने प्रभु के धाम पहुंच सकूं। यह कहकर वे ठहाका मार कर हंसने लगे। काजी ने कहा कि वह मृत्यु के भय से पागल हो गया है।